II-TERM EXAMINATION : 2023-24

CLASS - XII (CBSE)

HINDI CORE [302]

Time: 3 hrs. M.M.: 100

निर्देश– i) इस प्रश्न–पत्र में दो खण्ड हैं–खण्ड 'अ' और खण्ड 'ब'।
ii) सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
iii) सभी प्रश्नों के उत्तर यथासंभव क्रमशः दीजिए।

खण्ड –'अ' (अपठित गद्यांश)

Q.1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उचित विकल्पों का चयन कीजिए– [1×10=10]

वर्तमान सांप्रदायिक संकीर्णता के विषम वातावरण में संत–साहित्य की उपादेयता बहुत है। संतों में शिरोमणि कबीरदास भारतीय धर्म निरपेक्षता के आधार पुरुष हैं। संत कबीर एक सफल साधक, प्रभावशाली उपदेशक महान नेता और युग–दृष्टा थे। उनका समस्त काव्य विचारों की भव्यता और हृदय की तन्मयता तथा औदार्य से परिपूर्ण हैं उन्होंने कविता के सहारे अपने विचारों और भारतीय धर्मनिरपेक्षता के आधार को युग–युगांतर के लिए अमरता प्रदान की। कबीर ने धर्म को मानव धर्म के रूप में देखा था। सत्य के समर्थक कबीर हृदय में विचार–सागर और वाणी में अभूतपूर्व शक्ति लेकर अवतरित हुए थे। उन्होंने लोक–कल्याण की कामना से प्रेरित होकर स्वानुभूति के सहारे काव्य रचना की।

वे पाठशाला या मकतब की ड्योढ़ी से दूर जीवन के विद्यालय में 'मसि कागद छुयो नहिं' की दशा में जीकर सत्य, ईश्वर पर विश्वास, प्रेम, अहिंसा, धर्मनिरपेक्षता और सहानुभूति का पाठ पढ़ाकर अनुभूतिमूलक ज्ञान का प्रसार कर रहे थे। कबीर ने समाज में फैले हुए मिथ्याचारों और कुत्सित भावनाओं की धज्जियाँ उड़ा दी। स्वकीय भोगी हुई वेदनाओं के आक्रोश से भरकर समाज में फैले हुए ढोंग और पाखंडों, कुत्सित विचारधाराओं के प्रति दो टूक शब्दो में उन्होंने जो बातें कही, उनसे समाज की आँखें फटी की फटी रह गई और साधारण जनता उनकी वाणियों से चेतना प्राप्त कर उनकी अनुगामिनी बनने को व्यग्र हो उठी। देश की सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक आदि सभी प्रकार की समस्याओं का समाधान वैयक्तिक जीवन के माध्यम से प्रस्तुत करने का अनूठा प्रयत्न संत कबीर ने किया।

क) वर्तमान युग में संत साहित्य को अधिक उपयोगी क्यों माना जाता है ?
i) सांप्रदायिक भेदभाव के कारण
ii) प्रेम, भाईचारे एवं सद्भावना पर अत्यधिक बल देने के कारण
iii) कबीर के विचारों को महत्वपूर्ण न मानने के कारण
iv) लोक–कल्याण को महत्व न देने के कारण

ख) गद्यांश में कबीर के लिए किस उपमान का प्रयोग किया गया है ?
i) महान नेता ii) युग दृष्टा
iii) सफल साधक iv) उपरोक्त सभी

ग) कबीर ने अनुभूति मूलक ज्ञान का प्रसार किसके द्वारा किया ?
i) ईश्वर पर विश्वास के द्वारा ii) अहिंसा के द्वारा
iii) धर्मनिरेपेक्षता के द्वारा iv) ये सभी

घ) प्रस्तुत गद्यांश के अनुसार कबीर ने धर्म को किस रूप में देखा ?
i) मानव धर्म ii) ईश्वर धर्म iii) स्वार्थ धर्म iv) सामाजिक धर्म

ङ) सामान्य जनता कबीर के बताए मार्ग पर चलने के लिए व्यग्र क्यों हो गई ?
i) कबीर के विचारों से प्रभावित होकर
ii) समाज में फैले हुए ढोंग के कारण
iii) अन्य आधार न मिलने के कारण
iv) जबरदस्ती धर्म परिवर्तन के कारण

च) 'कबीर ने धर्म को मानव धर्म के रूप में देखा था' इस पंक्ति से लेखक का क्या आशय है?
i) कबीर मुस्लिम धर्म के समर्थक थे
ii) कबीर हिन्दू धर्म के समर्थक थे
iii) कबीर लोक कल्याण को ही मानव धर्म स्वीकार करते थे
iv) कबीर केवल ग्रंथ लिखते थे

छ) कबीर का काव्य लोक कल्याण की कामना से प्रेरित था क्योंकि –
i) उन्होंने स्वानुभूति के सहारे काव्य की रचना की
ii) उन्होंने धर्म को मानव धर्म के रूप में देखा
iii) उनके काव्य में विचारों की भव्यता थी
iv) उनका काव्य स्वार्थ से परिपूर्ण था

ज) कबीर ने समाज में फैली कैसी भावनाओं की धज्जियाँ उड़ा दीं ?
i) दूसरों के हित में कार्य करने की ii) मिथ्याचारों और कुत्सित भावनाओं की
iii) मानवता की iv) उपरोक्त सभी

झ) कबीर ने देश की किस प्रकार की समस्याओं का समाधान वैयक्तिक जीवन के माध्यम से किया ?
i) सामाजिक ii) धार्मिक iii) सांस्कृतिक iv) ये सभी

ञ) कबीर किसके आधार पुरुष है।
i) धार्मिक भेदभावों के समर्थन के ii) सामाजिक रूढ़ियों के
iii) भारतीय धर्मनिरपेक्षता iv) इनमें से कोई नहीं

Q.2. निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उचित विकल्पों का चयन कीजिए– [1×5=5]

माना आज मशीनी युग में, समय बहुत महँगा है लेकिन
तुम थोड़ा अवकाश निकालो, तुमसे दो बातें करनी है।
उम्र बहुत बाकी है लेकिन, उम्र बहुत छोटी भी तो है
एक स्वप्न मोती का है तो, एक स्वप्न रोटी भी तो है
घुटनों में माथा रखने से पोखर पार नहीं होता है :
सोया है विश्वास जगा लो, हम सबको नदियाँ तरनी है।
तुम थोड़ा अवकाश निकालो, तुमसे दो बातें करनी है।
मन छोटा करने से मोटा काम नहीं छोटा होता है,
नेह–कोष को खुलकर बाँटो, कभी नहीं टोटा होता है,
आँसू वाला अर्थ न समझे, तो सब ज्ञान व्यर्थ जाएँगे
मत सच का आभास दबा लो, शाश्वत आग नहीं मरनी है।
तुम थोड़ा अवकाश निकालो, तुमसे दो बातें करनी है।

क) समय महँगा होने का तात्पर्य है–
i) किसी के पास फालतू समय नहीं है।
ii) कम काम करने पर भी अधिक वेतन मिल जाता है।
iii) व्यक्ति को घटों के हिसाब से पारिश्रमिक मिलता है।
iv) महँगाई का ज़माना आ गया है।

ख) 'एक स्वप्न मोती का है' –यहाँ मोती का स्वप्न किसका प्रतीक है ?
i) एक बहुमूल्य रत्न का
ii) सुख–सुविधापूर्ण जीवन की चमक–दमक से दूरी का
iii) अमीरी का जीवन जीने की लालसा का
iv) मोतियों का स्वप्न देखकर खुश होने का

ग) मनुष्य निष्क्रिय होकर आगे नहीं बढ़ सकता है, परिश्रम करने से ही उसका विकास होगा–यह भाव प्रकट करने वाली पंक्ति है–
i) घुटनों में माथा रखने से पोखर पार नहीं होता।
ii) सोया है विश्वास जगा लो, हम सबको नदिया तरनी है।
iii) मन छोटा करने से मोटा काम नहीं छोटा होता है।
iv) एक स्वप्न मोती का है तो एक स्वप्न रोटी भी तो है।

घ) कविता के आधार पर प्रेम के भण्डार की विशेषता क्या है ?
i) लोगों के मन में प्रेम कम होता जा रहा है।
ii) प्रेम के कारण लोक एक –दूसरे के निकट आते हैं।
iii) प्रेम बाँटने से कभी कम नहीं होता है।
iv) प्रेम के सामने कोई काम छोटा नहीं होता है ।

ङ) स्नेह–कोष कब व्यर्थ है–
i) जब इसे दूसरों में न बाँटा जाएगा
ii) जब हम गरीबों को शिक्षित करेंगे
iii) जब इसका लाभ हम अकेले उठाएँगे
iv) जब हम गरीबों का दुख–दर्द समझेंगे

अथवा

क्या रोकेंगे प्रलय मेघ ये, क्या विद्युत –धन के नर्तन,
मुझे न साथी रोक सकेंगे, सागर के गर्जन–तर्जन।
मैं अविराम पथिक अलबेला रुके न मेरे कभी चरण,
शूलों के बदले फूलों का किया न मैंने मित्र चयन।

मैं विपदाओं में मुसकाता नव आशा के दीप लिए,
फिर मुझको क्यों रोक सकेंगे जीवन के उत्थान–पतन।
मैं अटका कब, कब विचलित मैं, सतत डगर मेरी संबल,
रोक सकी पगले कब मुझको यह युग की प्राचीर निबल
आँधी हो, ओले–वर्षा हो, राह सुपरिचित है मेरी,
फिर मुझको क्या डरा सकेंगे, ये जग के खण्डन–मण्डन।
मुझे डरा पाए कब अँधड़, ज्वालामुखियों के कंपन,
मुझे पथिक कब रोक सके हैं अग्निशिखाओं के नर्तन।
मैं बढ़ता अविराम निरांतर तन–मन में उन्माद लिए,
फिर मुझको क्या डरा सकेंगे, ये बादल–विद्युत नर्तन।

क) पद्यांश में आए मेघ, विद्युत, सागर की गर्जना और ज्वालामुखी किसके प्रतीक हैं ?
- i) विशालता व बड़प्पन के प्रतीक
- ii) समृद्धि के द्योतक
- iii) विघ्न बाधाओं के प्रतीक
- iv) प्रगति के पथ पर बढ़ने के प्रतीक

ख) कवि ने फूलों के बदले किसका चयन किया ?
- i) जीवन की कठिनाइयों का चयन किया है
- ii) सुख के साधनों का
- iii) मित्रों की सहायता को चाहा है
- iv) एकांत जीवन चाहा है

ग) 'रोक सकी पगले कब मुझको यह युग की प्राचीर निबल' पंक्ति के माध्यम से कवि ने युग की प्राचीर की क्या विशेषता बताई है ?
- i) युग की प्राचीर नवीन है
- ii) युग की प्राचीर सार्थक है
- iii) युग की प्राचीर निर्बल है
- iv) युग की प्राचीर दृढ़ता से स्थिर है

घ) पद्यांश का मूल प्रतिपाद्य क्या है ?
- i) निरंतर मन में उल्लास लिए आगे बढ़ना
- ii) बादलों की विद्युत गर्जना से न डरना
- iii) विपदाओं में मुस्कुराना
- iv) कर्म पथ पर बढ़ने का मार्ग दिखाना

ङ) पद्यांश के अनुसार कवि को कौन नहीं डरा पाया?
- i) ज्वालामुखी के कंपन
- ii) बादलों के गर्जन
- iii) विद्युत की तर्जन
- iv) ज्वालामुखी के नर्तन

[1×5=5]

3. निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़कर उनके सही विकल्प का चुनाव करें–

क) कौन सा जनसंचार माध्यम अनपढ़ व्यक्ति के लिए उपयोगी नहीं है ?
- i) इंटरनेट
- ii) समाचार पत्र
- iii) पत्रिकाएँ
- iv) ये तीनों

ख) पत्रकारिता का मूल तत्व क्या है ?
- i) लेखन
- ii) सूक्ष्मता
- iii) जिज्ञासा
- iv) दूरदर्शिता

ग) पत्रकारीय लेखन का सम्बन्ध किससे होता है ?
- i) काल्पनिक घटनाओं से
- ii) अतीत की घटनाआं से
- iii) वास्तविक व समसामयिक घटनाओं से
- iv) भविष्य की घटनाओं से

घ) फीचर की कौन–सी विशेषता होती है?
- i) सृजनात्मक
- ii) आत्मनिष्ठ
- iii) सुव्यवस्थित
- iv) उपर्युक्त तीनों

ङ) लिखित रूप से नाटक कितने आयामों में होता है?
- i) द्विआयामी
- ii) एकआयामी
- iii) बहुआयामी
- iv) त्रिआयामी

Q.4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चुनाव कीजिए– [1×5=5]

फिर हम पर्दे पर दिखलाएँगे
फूली हुई आँख की एक तस्वीर
बहुत बड़ी तस्वीर
और उसके होठों पर एक कसमसाहट भी
(आशा है आप उसे उसकी अपंगता की पीड़ा मानेंगे) एक और कोशिश
दर्शक धीरज रखिए
देखिए हमें दोनों एक संग रुलाने हैं
आप और वह दोनों
(कैमरा बस करो नहीं हुआ रहने दो पर्दे पर वक्त की कीमत है) अब मुस्कुराएँगे हम

क) होठों की कसमसाहट क्या अभिव्यक्त करती है?
i) मन की प्रसन्नता को ii) सहजता को
iii) असमर्थता को iv) गंभीरता को

ख) कार्यक्रम का प्रस्तुत कर्ता पर्दे पर क्या दिखाने की बात करता है?
i) फूली हुई बड़ी आँख
ii) अपाहिज व्यक्ति का दुख–दर्द
iii) अपाहिज व्यक्ति के होठों की पीड़ा
iv) उपरोक्त सभी

ग) प्रस्तुतकर्ता की दृष्टि में कार्यक्रम सफल कब माना जाएगा ?
i) जब अपाहिज व्यक्ति का दुख व्यक्त होगा।
ii) जब अपाहिज व्यक्ति और दर्शक की मनः स्थिति एक जैसी हो जाएगी
iii) जब दर्शक उससे तादात्म्य स्थापित कर लेगा।
iv) जब प्रस्तुतकर्ता स्वयं अपाहिज के दर्द को समझेगा।

घ) अपाहिज की स्थिति का चित्रण करने वाले कार्यक्रम निर्माता का उद्देश्य क्या होता है ?
i) पीड़ित व्यक्ति को न्याय दिलाना
ii) कार्यक्रम की व्यावसायिक सफलता और लोकप्रियता
iii) दुखी व पीड़ित व्यक्ति की व्यथा का वर्णन करना
iv) संवेदनहीन समाज का चित्रण करना

ङ) 'हमें दोनों एक संग रुलाने हैं''–पंक्ति में 'दोनों' शब्द किसके लिए आया है?
i) कवि और अपाहिज व्यक्ति ii) अपाहिज व्यक्ति और दर्शक
iii) दर्शक और कवि iv) प्रस्तुतकर्ता और अपाहिज व्यक्ति

Q.5. पठित गद्यांश को पढ़कर उचित विकल्पों का चयन कीजिए– [1×5=5]

पैसे की व्यंग्यशक्ति को सुनिए। वह दारूण है। मैं पैदल चल रहा हूँ कि पास ही धूल उड़ाती निकल गई मोटर! वह क्या निकली, मेरे कलेजे को कौंधती एक कठिन व्यंग्य की लीक ही आर–से–पार हो गई। जैसे–किसी ने आँखों में उँगली देकर दिखा दिया हो कि देखो, उसका नाम है मोटर और तुम उससे वंचित हो यह मुझे अपनी ऐसी विडम्बना मालूम होती है कि बस पूछिए नहीं मैं सोचने को हो आता हूँ कि हाय, ये ही माँ–बाप रह गए थे जिनके यहाँ मैं जन्म लेने को था। क्यों न मैं मोटर वालों के यहाँ हुआ। उस व्यंग्य में इतनी शक्ति है कि जरा में मुझे अपने सगों के प्रति कृतघ्न कर सकती है।

क) लेखक के अनुसार वह कौन–सी शक्ति है, जो अपने सगों के प्रति कृतघ्न करती है ?
i) घूमने –फिरने की शक्ति ii) पैसे की व्यंग्य शक्ति
iii) सगों की शक्ति iv) माता पिता की शक्ति

ख) पैसों की व्यंग्य शक्ति के कारण अपने ही माता–पिता के प्रति क्या उत्पन्न होती है ?
i) पैसे की भावना ii) घृणा की भावना
iii) हृदय की भावना iv) प्रेम की भावना

ग) लेखक के अनुसार धूल उड़ाती हुई मोटर–कार हृदय पर क्या प्रभाव डालती है ?
i) कलेजे को कौंधना ii) व्यंग्य करना
iii) हँसी–मजाक करना iv) बाजार से लाभ

घ) बाजार के जादू को कौन–सी इन्द्रियाँ पकड़ती है?
i) आँख ii) जीभ iii) नाक iv) कान

ङ) लेखक ने काल्पनिक जगत की वस्तु किसे कहा है ?
i) ममता को ii) समता को iii) उदारता को iv) लघुता को

(पूरक पाठय–पुस्तक–वितान)

Q.6. निम्नलिखित प्रश्नों के निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए– [1×10=10]

क) यशोधर बाबू के बड़े होते बच्चों की कौन–सी बात उन्हें अच्छी नहीं लगती थी?
- i) संबंधों में बढ़ता परायापन
- ii) रिश्तेदारों की उपेक्षा
- iii) तीसरे बेटे का अमेरिका जा बसना
- iv) (i) और (ii) दोनों

ख) गीता महिमा सुनते समय यशोधर बाबू को 'जनार्दन' शब्द सुनकर किसकी याद आ गई?
- i) मुरलीधारी श्रीकृष्ण की
- ii) अहमदाबाद में रहने वाले अपने जीजा जनार्दन जोशी की
- iii) किशनदा के साथी जनार्दन की
- iv) अपने बेटे के साथी जनार्दन की

ग) जूझ कहानी में लेखक के दादा के चरित्र की विशेषता क्या है ?
- i) वे लेखक की प्रगति में बाधक हैं।
- ii) वे अपनी पत्नी से लड़ाई–झगड़ा नहीं करते
- iii) वे राव साहब का सम्मान करते है
- iv) ये सभी

घ) 'जूझ' का लेखक खेती का काम क्यों नहीं करना चाहता है ?
- i) वह इस सत्य को जान गया था कि खेतों से जीवनभर कुछ हाथ नहीं आएगा
- ii) वह अपने पिता की बात नहीं मानना चाहता है
- iii) वह अत्यधिक परिश्रम नहीं करना चाहता है।
- iv) वह खेती को तुच्छ समझता है

ङ) 'मुअनजोदड़ो' और 'हड़प्पा' की गिनती कहाँ की जाती है?
- i) विश्व के सबसे प्राचीन शहरों में
- ii) भारत के अलावा विश्व के सबसे सुनियोजित शहरों में
- iii) भारत के सबसे धनी शहरों में
- iv) विश्व के सबसे विकसित शहरों में

च) सिंधु सभ्यता को किसके समकक्ष माने जाने के प्रमाण मिले है ?
- i) मिश्र धर्म के
- ii) मेसोपोटामिया (ईराक) सभ्यता के
- iii) चीनी सभ्यता के
- iv) (i) और (ii) दोनों

छ) इतिहासकारों के अनुसार केवल मुअनजोदड़ों में कितने कुएँ थे ?
- i) पाँच सौ कुएँ
- ii) छह सौ कुएँ
- iii) सात सौ कुएँ
- iv) नौ सौ कुएँ

ज) 'मुअनजोदड़ो' से खुदाई में मिली नर्तकी की मूर्ति किस संग्रहालय में रखी हुई है ?
- i) कोलकाता संग्रहालय में
- ii) मुंबई संग्रहालय में
- iii) इलाहाबाद संग्रहालय मे
- iv) नई दिल्ली के राष्ट्रीय संग्रहालय में

झ) मुअनजोदड़ों में हथियार का न मिलना क्या दर्शाता है ?
- i) हथियारों का ज्ञान न होना
- ii) ताकत के बल पर शासन करना
- iii) ताकत के बल पर अनुशासन न बनाना
- iv) लोगों का स्व अनुशासन प्रिय होना

ञ) मुअनजोदड़ो में खुदाई बंद होने का कारण इनमें से क्या है–
- i) सिंधु के पानी के रिसाव से क्षार एवं दलदल की समस्या
- ii) सिंधु नदी से आई बाढ़ के कारण पानी भर जाना
- iii) मुअनजोदड़ो की खुदाई पूरी हो जाना
- iv) खुदाई अत्यंत कठिन, कष्टकारी एवं व्यय सिद्ध होना

खण्ड 'ब' वर्णनात्मक प्रश्न

Q.7 दिए गये विषयों में से किसी एक विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए– [6×1=6]

क) मोबाइल खेलों की बढ़ती लत।

ख) अपनी पहाड़ यात्रा का अनुभव।

ग) पुस्तकें अच्छी मित्र होती हैं।

घ) बढ़ती महँगाई का रसोई पर प्रभाव

Q.8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए– [2×2=4]

क) i) पत्रकारीय लेखन किसे कहते हैं ? पत्रकार कितने प्रकार के होते हैं? नाम लिखिए।

अथवा

ii) मुद्रित माध्यमों की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

ख) i) नाटक के कौन–कौन से तत्व होते हैं ?

अथवा

ii) सिनेमा रंगमंच और रेडियों नाटक में क्या क्या समानताएँ है?

Q.9. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए– [3×2=6]

i) एडवोकेसी पत्रकारिता किसे कहते है ?

ii) संपादक के कार्य लिखिए।

iii) नाटक में समय का ध्यान रखना जरूरी क्यों हो जाता है ?

iv) खोजपरक पत्रकारिता किसे कहते हैं?

पाठयपुस्तक–आरोह भाग–2

Q.10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 से 60 शब्दों में लिखिए– [3×2=6]

i) शोकग्रस्त माहौल में हनुमान के अवतरण को करुण रस के बीच वीर रस का आविर्भाव क्यों कहा गया है ?

ii) तुलसीदास की कविता के आधार पर तत्कालीन समाज की आर्थिक विषमता पर प्रकाश डालिए।

iii) बात और भाषा परस्पर जुड़े होते हैं, किन्तु कभी–कभी भाषा के चक्कर में सीधी बात भी टेढ़ी हो जाती है कैसे ?

Q.11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 से 40 शब्दों में लिखिए– [2×2=4]

i) 'परदे पर वक्त की कीमत है' कहकर कवि ने पूरे साक्षात्कार के प्रति अपना नजरिया किस रूप में रखा है ?

ii) सिल और स्लेट का उदाहरण देकर कवि ने आकाश के रंग के बारे में क्या कहा है ?

iii) श्रीराम सुमित्रा माता का स्मरण करके क्यों दुखी हो उठते हैं ?

Q.12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 से 60 शब्दों में लिखिए– [3×2=6]

i) बाजार का जादू चढ़ने और उतरने पर मनुष्य पर क्या–क्या असर पडता है?

ii) 'बाजारूपन' से क्या तात्पर्य है? किस प्रकार के व्यक्ति बाजार को सार्थकता प्रदान करते है ?

iii) ढोलक की आवाज का पूरे गाँव पर क्या असर होता था?

Q.13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 से 40 शब्दों में लिखिए– [2×2=4]

i) भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती कैसे हो गई?

ii) जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया?

iii) बाजार में भगत जी के व्यक्तित्व का कौन सा सशक्त पहलू उभर कर आया है? क्या आपकी नजर में उनका आचरण समाज में शांति स्थापित करने में मददगार हो सकता है ?

(पूरक पाठय–पुस्तक वितान भाग–2)

Q.14. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए– [4×1=4]

i) सिंधु–सभ्यता साधन–संपन्न थी पर उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था। कैसे ?

अथवा

ii) यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती है लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं। ऐसा क्यों ?

श्रवण तथा वाचन [10]

परियोजना कार्य [10]

####